हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद

एवं

स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास

आत्मनिर्भर हरियाणा - कार्य योजना

प्रातः 11 बजे, 18 नवम्बर 2020

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद व स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास के संयुक्त तत्वाधान में 25 सितम्बर, 2020 को तरंग विमर्श का आयोजत किया गया, विषय था "स्वदेशी स्वावलम्बन से आत्मनिर्भर भारत"। इस विमर्श में स्वदेशी स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता के विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक चर्चाएं हुई। सहमति बनी कि आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रतिमान बनाने के लिए आत्मनिर्भर हरियाणा के लिए कार्ययोजना बनानी चाहिए। इसके पश्चात परिषद और न्यास की सामूहिक टोली की तीन बैठके हुई जिनमें आत्मनिर्भर हरियाणा के लिए कार्ययोजना बनी। इस विषय की चर्चा माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा से हुई और 18 नवम्बर, 2020 को मुख्यमंत्री एवं राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मुख प्रस्तुति करने का निश्चय हुआ। 18 नवम्बर 2020 को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में प्रातः 11 बजे बैठक हुई जिसमें उपस्थिति इस प्रकार थीः

1) माननीय मनोहर लाल जी मुख्यमंत्री हरियाणा
2) श्री डी.एस. ढेसी, वरिष्ठ प्रधान सचिव मुख्यमंत्री
3) श्री टी.वी.सी.एन. प्रसाद, अपर मुख्य सचिव, वित एवं योजना
4) श्री वी. उमाशंकर, प्रधान सचिव मुख्यमंत्री
5) प्रो. बृज किशोर कुठियाला, अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद
6) प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुरू जम्भेश्वर प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार
7) प्रो. दिनेश कुमार, कुलपति, जगदीश चंद्र बसु प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय फरीदाबाद
8) प्रो. राज नेहरू, कुलपति, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय पलवल (अस्वस्थ होने के कारण अनुपस्थित)

9) प्रो. राज कुमार मिततल, कुलपति, चै बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी

10) प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलपति, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र

11) डा. राजेश गोयल, सचिव, हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड

12) श्री बलराम, (सी.ए.) स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास

13) श्री मनोनीत, वरिष्ठ अधिवक्ता, स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास

14) श्री केवल कृष्ण अग्निहोत्री, परामर्शदाता, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद

स्वागत एवं परिचय के पश्चात प्रो कुठियाला ने आत्मनिर्भर हरियाणा के विषय पर सैद्धांतिक पक्ष व कार्ययोजना की रूपरेखा रखी। प्रो टंकेश्वर ने विद्यार्थी जागरण, प्रो दिनेश कुमार ने कारीगर प्रशिक्षण, प्रो राज कुमार ने विश्वविद्यालयों का जिलों के अनुसार दायित्व, प्रो सोमनाथ ने पाठयक्रमों में स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता, डा राजेश गोयल ने तकनीकी शिक्षा का रूपांतरण एवं श्री बलराम ने उद्योगों की सक्रिय भूमिका पर प्रस्तुतियां की। श्री मनोनीत ने स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास के कार्यो का परिचय दिया। मुख बिंदुः

- भारत का घोषित व सर्वमान्य लक्ष्यः स्वदेशी व स्वावलम्बन के माध्यम से आत्मनिर्भरता
- हरियाणा राज्य का आकार, व्यवस्थाएं व वर्तमान वातावरण परिवर्तन के हेतु अनुकूल
- युवाओं की मुख्य भूमिका
- उच्च शिक्षण संस्थाओं, प्राध्यापकों व विद्यार्थियों का प्रभावी योगदान सम्भव
- स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास का आत्मनिर्भरता का सैद्धांतिक व व्यवहारिक अनुभव
- आत्मनिर्भर हरियाणा के लिए हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद व स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास का सामूहिक प्रयास
- आत्मनिर्भरता के लिए हरियाणा के ग्रोथ इंजन
    - 50+ उच्च शिक्षण संस्थान
    - 5000+ प्राध्यापक
    - 9 लाख़+ विद्यार्थी
- ग्रोथ इंजन के 5 सिलेंडर
    - कृषि
    - उत्पादन

- सेवाएं
- साॅफ्ट पावर
- नीतिज्ञ एवं योजनाकार

- लक्ष्य
  - अल्पकालीन - सम्पर्क समन्वय एवं कार्य योजना (विश्वविद्यालयों को जिलों का दायित्व)
  - मध्यमकालीन - उच्च शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों में स्वदेशी स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता के भाव का जागरण
  - दीर्घकालीन - हर युवा के मन में
    - नौकरी नही, अर्थ एवं रोजगार सृजन का निश्चय
    - देश के प्रति समर्पण का व्रत
    - पीछे रह गए परिवारों की सहायता का संकल्प

- 5 स्तरीय रचना
  - केंद्रीय टोली
  - शैक्षणिक-नेतृत्व टोली
  - वरिष्ठ प्राध्यापक टोली
  - उच्च शिक्षा विद्यार्थी समूह
  - गैर विद्यार्थी समूह

- विद्यार्थी जागरण योजना
  - उच्च शिक्षा संस्थानों में समस्त विद्यार्थियों को जोड़ना
  - प्रत्येक विद्यार्थी अपने-आप में परिवर्तन का इंजन
  - भारत को आत्मनिर्भर बनाना है
  - हर युवा के मन में दायित्व का बोध और उद्यमियता का भाव
  - प्रत्येक जिले को कुलपति के नेतृत्व में एक विश्वविद्यालय का आवंटन (शैक्षणिक नेतृत्व टोली) - संख्या 22
  - प्रत्येक विश्वविद्यालय से दो प्राध्यापकों का नामांकन (वरिष्ठ प्राध्यापक टोली) - संख्या लगभग 100
  - विद्यार्थी प्रतिनिधि समूह - लगभग 100
  - विद्यार्थी जागरण के कार्य -
    - Ideas generation competitions
    - Innovation competitions
    - Rewarding students and teachers
    - उद्यमियता प्रशिक्षण

- कारीगर प्रशिक्षण
    - कौशल समूहों को चिन्हित करना
    - कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता का आंकलन
    - Composite Micro और Short term पाठ्यक्रम
    - वित्त एवं बाजार सम्बन्धी सुविधाओं की जानकारी

- विश्वविद्यालयों का दायित्व
    - प्रत्येक ज़िले में विशेष उत्पादों की पहचान
    - ज़िले की क्षमताओं का आंकलन
    - ज़िले की कृषि, पशुपालन एवं सम्बन्धित व्यवसयाओं का आंकलन
    - ज़िले में उपलब्ध अन्य संसाधनों का आंकलन
    - प्रत्येक विश्वविद्यालय आवंटित ज़िले के लिए आत्मनिर्भरता की दृष्टि से योजना बनाना
    - जिला प्रशासन से समन्वय

- पाठ्यक्रमों में स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता
    - प्रत्येक डिग्री-डिप्लोमा के पाठयक्रम में कम से कम दो कौशल सीखने की व्यवस्था
    - सभी विद्यार्थियों को संवाद कौशल में निपुणता
    - सभी विद्यार्थियों को कम्पयूटर के उपयोग में निपुणता
    - पाठयक्रमों को हरियाणा की परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं से जोड़ना
    - पाठयक्रमों में उद्यमियों की सफलता की कथाएं
    - स्वरोज़गार के लाभ एवं प्रक्रिया
    - आत्मविश्वास, स्वदेशी व स्वावलम्बन का भाव
    - न्यायोचित वितरण व्यवस्था एवं संयमित उपभोग का संज्ञान
    - प्रगति का मापदंड जी.डी.पी. के साथ-साथ रोज़गार में बढ़ोतरी पर आधारित
    - केंद्रीय व राज्य सरकार की योजनाओं की एक प्लेटफार्म पर जानकारी
    - उद्योगों के साथ सहभागिता व उद्योगों में प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान
    - स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहन
    - Incubation की व्यवस्थाएं
    - दूरवर्ती शिक्षा, आनलाईन शिक्षा व निरंतर शिक्षा के प्रावधान

- तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा का रूपांतर
    - पाठ्यक्रमों में कम से कम 60 प्रतिशत व्यवहारिक कार्य
    - उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार अल्पकालीन पाठ्यक्रमों का प्रारम्भ

- AI, Machine Learning, IOT, Renewable Energy, Food Processing, Organic Farming, Virtual Reality and Augmented Reality व अन्य विषयों का समिश्रण
- प्राध्यापक प्रशिक्षण
- विद्यार्थियों का उद्योगों के साथ अधिक संवाद
- CSR का प्रौद्योगिकी शिक्षा में निवेश
- प्रत्येक विद्यार्थी को स्वतंत्र प्रयोग (experimentation) करने एवं शोध करने के लिए प्रोत्साहन

- उद्योगों की सक्रिय भूमिका
  - उद्योगों और व्यापार से सम्बन्धित संस्थाओं के साथ अनुबंध
  - पाठ्यक्रम में सफल उद्यमियों की कथाओं का विवरण
  - हर संस्थान में आत्मनिर्भर केंद्र की स्थापना
  - हर जिले में उद्योगपतियों एवं व्यापारियों के साथ शिक्षण संस्थाओं को जीवित सम्पर्क एवं निरन्तर संवाद
  - उद्योगों और व्यापार की समस्याओं पर केंद्रित शोध
  - आवश्यकता अनुसार उद्योगों के लिए विशेष पाठयक्रम

प्रस्तुतियां करते समय एवं बाद में मुख्यमंत्री व अधिकारियों ने चर्चाओं में भाग लिया एवं सुझाव दिए-

1. सक्षम युवा पोर्टल में पंजित युवाओ के विषय में भी योजना बने।
2. राज्य सरकार की सभी युवाओं की सहायता सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी एक ही पोर्टल पर रखी जाए।
3. बेरोज़गार स्नातकों के विषय में भी योजना बने।
4. इस टोली को राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ संवाद बनाना चाहिए।
5. भविष्य में इस प्रकार की बैठक के लिए अधिक समय रखा जाए।
6. विद्यार्थियों के संवाद कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

अध्यक्ष उच्च शिक्षा परिषद ने मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों एवं टोली के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया और मुख्यमंत्री की अनुमति से बैठक समाप्ति की घोषणा की।

000